nt>

Title: Need to conduct a survey of the population of certain castes with a view to provide them proportionate reservation.

प्रो. चन्द्र कुमार (कांगड़ा) : सभापति महोदय, देश में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की सही संख्या की गणना प्रथम बार आम जनसंख्या की गणना के समय की गई। उसके बाद जनसंख्या की गणना के फार्म से जाति का कॉलम हटा दिया गया। इससे देश में उन जातियों की वास्तविक संख्या की जानकारी नहीं मिल पाती है और उनके आरक्षण का प्रावधान केवल अनुमान के आधार पर किया जाता रहा है। संविधान निर्माताओं ने उस समय इन जातियों की संख्या के अनुसार क्रमश: 22.5, 7.5 एवं 27 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया और भविय में इस हेतु उनकी वास्तविक जनसंख्या का आधार तय किया, लेकिन सरकार ने अभी तक इन जातियों की सही संख्या जानने हेतु कोई सर्वेक्षण नहीं कराया है।

मेरा निवेदन है कि सरकार इनकी सही संख्या का पता लगाने हेतु सर्वेक्षण कराए, जिसके आधार पर जातियों का चयन किया जा सके और उन्हें सूची से निकालने तथा सूची में शामिल करने की प्रक्रिया ठीक हो सके।